रचनात्मक लेखनः कहानी से शोध तक

रश्मि मिश्रा
उ.प्रा.वि., बेलखरनाथ,
मरूआन प्रतापगढ़

नवाचार का उद्देश्य– इस नवाचार का मुख्य उद्देश्य बच्चों को रचनात्मक लेखन के माध्यम से उन्हें विज्ञान विषय से जोड़ना तथा उनमें वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। इस नवाचार को मुख्य रूप से कक्षा 6, 7 एवं 8 के विद्यार्थियों में स्टेम (STEM- साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित) लर्निंग में सहायता प्रदान करने, विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक कहानियो से विभिन्न संक्रियाओं और नियमों को रोचक ढंग से समझने और विज्ञान को स्पष्ट, सरल और रोचक बनाने हेतु किया गया।

क्रियान्वयन– अधिकांश बच्चों में ये देखा गया कि विज्ञान के ऐसे कई सिद्धांत या अवधारणाएं हैं, जिन्हें परिभाषित करने और अपने शब्दों में बताने में वे कठिनाई महसूस करते हैं। अपने शब्दों में अपनी बात प्रस्तुत करने में छात्रों के लिए विद्यालय में किये गए इस नवाचार ने सकारात्मक कार्य किया। इस नवाचार के अंतर्गत बच्चों की कल्पनाशीलता को एक स्वरूप प्रदान करने के लिए ई–कॉमिक्स एवं कहानी के निर्माण में बच्चों को संवाद लिखने के लिए प्रेरित किया गया। प्रारंभ में बच्चों के अलग अलग समूह बनाकर विज्ञान के नियमो को समावेशित कर कहानियों की रचना करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रोजेक्ट कार्य के रूप में पीयर लर्निंग के माध्यम से संक्रियाओं को समझाया गया जिसमें बच्चों ने एक दूसरे का पूरा सहयोग किया और विचारों का आदान–प्रदान किया। रचनात्मक लेखन में इस बात पर विशेष ध्यान दिया गया कि बच्चे वैज्ञानिक शब्दावली के सही प्रयोग को समझें और उन्हें अपनी रचना में शामिल करें।

वैज्ञानिक कहानी लेखन के लिए विचारों का आदान प्रदान करते बच्चे :–

शून्य निवेश नवाचार के रूप में बच्चों के साथ मिलकर ई–कॉमिक्स जैसे टीएलएम का निर्माण किया गया, जिनका उपयोग समय–समय पर कक्षा शिक्षण में किया जाता है। बच्चों को स्वलेखन के लिए प्रेरित किया गया जिसके लिए बच्चों में स्वअध्ययन की आदत भी विकसित हुई। परिणामस्वरूप बच्चे विज्ञान के प्रकरण जैसे गुरत्वाकर्षण बल, आर्किमिडीज़ का सिद्धांत, पदार्थ की विभिन्न अवस्थाएँ, संतुलित आहार इत्यादि की संकल्पना को बड़े ही रोचक ढंग से कक्षा कक्ष में प्रस्तुत करने लगे।

बच्चों द्वारा रचित वैज्ञानिक डिजिटल कॉमिक्स :–

प्रभाव– स्वयं विभिन्न वैज्ञानिक शब्दावली को बार–बार समझने और प्रयोग करने से बच्चों में विज्ञान विषय संबंधित अवधारणा स्पष्ट होने लगी जिसका प्रभाव बच्चों के कक्षा कक्ष में सक्रिय प्रतिभागिता के रूप में दिखने लगा। इसी ज्ञान का उपयोग बच्चे छोटे शोध पत्र लिखने में भी करने लगे। बच्चों में विज्ञान विषय के प्रति भय समाप्त होने लगा। बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई, विद्यालय आने में उनकी रुचि बढ़ी और इसके परिणाम स्वरूप विद्यालय में बच्चो के ठहराव में भी वृद्धि हुई। इसके साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से छात्रों के ड्रॉपआउट की समस्या में भी कमी आई। वे रचनात्मक कार्यों में प्रतिभाग करने लगे। अवधारणाओं की समझ में वृद्धि हुई व अभिव्यक्ति क्षमता का भी विकास हुआ।

उपलब्धिः– इस शून्य निवेश नवाचार से विद्यार्थी विज्ञान की अवधारणा को अपनी तार्किक क्षमता तथा कल्पना से जोड़ते हुए स्वयं साइंस फिक्शन शोध पत्र आदि लेखन का कार्य कर रहें हैं और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनके द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है।

क्र.सं.	नाम	उपलब्धिः (कहानियों और शोध पत्र का प्रस्तुतीकरण)
1	नैंसी यादव	26वाँ राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रस्तुतीकरण (भुवनेश्वर, ओडिशा)
2	प्रिंस यादव	इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल में विज्ञानं फिक्शन का चयन (पणजी गोवा)
3	श्रेष्ठा सिंह	राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस 2021 में राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रस्तुतीकरण
4	पुनीत कुमार पाल	राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा गढ़ों कहानी 2021 में राज्य स्तर पर चयन
5	शौर्य पांडेय	31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रस्तुतीकरण (भोपाल मध्य प्रदेश)

राष्ट्रीय स्तर पर छात्र शौर्य पांडेय का प्रस्तुतीकरण

31ST NATIONAL CHILDREN'S